अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–जीव-अजीव–40

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 10

जीव–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) जीव को जीवास्तिकाय क्यों कहा गया?

(ख) जीव को आत्मा किस कारण से कहा गया?

(ग) नव पदार्थ का ज्ञान क्यों करना चाहिए।

(घ) क्षायिक भाव को समझाएं।

(ड़) जीव को जगत क्यों कहा गया?

अजीव–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(च) प्रकाश व अंधकार को समझाएं।

(छ) संस्थान को समझाएं।

(ज) द्रव्य किसे कहते हैं?

(झ) अरूपी किसे कहते हैं? षट्-द्रव्यों में कितने अरूपी हैं? नाम लिखें।

प्र. 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **जीव**–

मानव का क्या अर्थ है?

अथवा

आचार्य भिक्षु ने शूरवीर के कितने भेद बताए हैं और उन्हें भाव जीव क्यों कहा है?

(ख) **अजीव**–

काल के स्कंध, देश, प्रदेश आदि भेद क्यों नहीं होते?

अथवा

मोक्ष मार्ग में षट्-द्रव्यों का विवेचन क्यों आवश्यक है?

प्र. 3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) **जीव**–

स्वामीजी ने 'नव पदार्थ' किसे कहा है? नव पदार्थों में कितने जीव और कितने अजीव हैं तथा जीव का स्वरूप बताते हुए जीव के प्रकारों को समझाएं।

अथवा

लक्षण, गुण व पर्याय को स्पष्ट करते हुए बतायें कि परिणामी नित्य क्या है तथा सावद्य और निरवद्य कार्य कौन-कौन से हैं? इन्हें भाव जीव क्यों कहा है?

(ख) **अजीव–**

पुद्गल के कितने भेद हैं तथा परमाणु व प्रदेश में क्या-क्या समानता व विषमता है? द्रव्य व भाव पुद्गल को समझाते हुए इनमें परस्पर अंतर बताएं।

अथवा

षट्-द्रव्यों के परस्पर क्या साधर्म्य-वैधर्म्य है?

अवबोध–जीव से संवर–30

प्र. 4 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर लिखें– 7

(क) नौ तत्त्वों में एक-दूसरे के प्रतिपक्षी तत्त्व कौन-कौन से हैं?

(ख) परमाणु में दो स्पर्श कौन से पाते हैं?

(ग) पापानुबंधी पाप की स्थिति में जीव का उत्थान कैसे संभव होगा।

(घ) मृषावाद पाप है, फिर माया-मृषा अलग क्यों है?

(ड़) शुभ योग केवल उदय भाव ही है या क्षायक, क्षयोपशम भाव भी है?

(च) क्या आश्रव का आदि-अन्त है?

(छ) व्रत संवर कौन से गुणस्थान से प्रारम्भ होता है?

(ज) संवर जीव कैसे है?

(झ) 'थेक्सस' किसे कहते हैं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) पुण्यानुबंधी पुण्य की चौभंगी क्या आगमोक्त है?

(ख) क्या पुद्गल के भी संस्थान होता है?

(ग) नौ तत्त्वों को संक्षेप में कैसे समझा जा सकता है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) वर्गणा के कितने प्रकार हैं?

(ख) पर्याप्ति की क्या उपयोगिता है तथा कौन सी पर्याप्ति का कौन से प्राण के साथ संबंध है?

(ग) अजीव के सर्वाधिक प्रकार कितने हैं?

(घ) पुण्य तत्त्व की परिभाषा बताते हुए पुण्य बंध के प्रथम पांच प्रकार समझाएं।

अमृत कलश भाग-3 छठा, सातवां चषक (तप छोड़कर)–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) अतिशय शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ख) आठ गणि संपदाएं कौन सी हैं?

(ग) अर्हत वंदना में बैठने की विधि क्या है?

(घ) क्या सम्यक्त्वी के अकाम निर्जरा होती है?

(ड़) सम्यक्त्व कैसे प्राप्त होता है?

(च) साधु व श्रावक प्रतिक्रमण में क्या अंतर है?

(छ) निदान दोष क्या है?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में लिखें– 10

(क) णमोकार मंत्र को महामंत्र क्यों कहा जाता है?

(ख) सिद्ध की उपासना कैसे हो सकती है?

(ग) क्या श्रावक प्रतिक्रमण श्रावक को ही करना चाहिए?

(घ) सम्यक्त्वी कौन है और मिथ्यात्वी कौन है? इसका पता कैसे चल सकता है?

(ड़) उपाध्याय के कितने व कौन से गुण हैं? वर्तमान में हमारे संघ में उपाध्याय कौन है?

(च) सामायिक में भाव शुद्धि को समझाएं।

(छ) ओम की निष्पत्ति बताएं।

प्र. 9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें– 15

(क) वंदना करने की विधि क्या है? वंदना करने से क्या व्यावहारिक लाभ होता है?

(ख) श्रमण की उपासना से क्या-क्या लाभ होते हैं?

(ग) एक सामायिक का क्या फल होता है?

(घ) आगमों में आचार्य की कितनी कसौटियां बताई हैं? नाम लिखें और तीन को समझाएं।

(ड़) माला के 108 मनकों का क्या आधार है?